



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (III)
PART II—Section 3—Sub-section (III)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 120]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 15, 1991/ज्येष्ठ 25, 1913

No. 120]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 15, 1991/JYAISTHA 25, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारत निर्वाचन आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली 15 जून, 1991

घा.घ. 159 (घ).—निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 55, 56 और 57 में यह व्यवस्था है कि मतों की गणना मतदान केन्द्रवार की जाएगी;

14 जून 1991 से लागू निर्वाचनों का संचालन (संशोधन) नियम, 1991 द्वारा यथा किए गए उसके संशोधन से पूर्व उक्त नियमों के नियम 59क में यह व्यवस्था है कि निर्वाचन आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किए जा सकने वाले पंजाब राज्य के निर्वाचन क्षेत्रों और राजस्थान के गंगानगर जिले के संपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र में मतपत्रों को मिला कर मतगणना की जाएगी;

और, निर्वाचन आयोग ने 24 अप्रैल, 1991 को सरकार से सिफारिश की कि उक्त नियम 59क को संशोधित कर दिया जाए ताकि ऐसे किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र के किसी निर्वाचन क्षेत्र में जहां पर निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया था कि मतदान केन्द्रवार मतों का गणना की वर्तमान पद्धति के अनुसार निर्वाचनों का निर्वाचन पूर्व अभिज्ञान या

निर्वाचन के बाद निर्वाचकों का उत्पीड़न हो सकता है; मतगणना के लिए मतपत्रों को मिलाने की उक्त पद्धति को अपनाते के लिए निर्वाचन आयोग को शक्तियां दी जाएं;

और, सरकार ने अपने तारीख 9 मई, 1991 के पत्र से यह सूचित किया कि 19-4-1991 से लोक सभा और कुछ राज्य विधान सभाओं के साधारण निर्वाचनों की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाने के बाद उक्त नियम में किसी प्रकार का संशोधन करने से पूर्व राजनैतिक दलों से परामर्श किया जाना चाहिए;

और, निर्वाचन आयोग ने 15-5-1991 को हुई एक बैठक में सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों से परामर्श किया और उनके द्वारा व्यक्त की गई एक ही राय थी कि इस अवस्था में उक्त नियम में इस प्रकार का कोई संशोधन नहीं किया जाना चाहिए;

और, सरकार ने वेर से वेर 13-6-1991 को आयोग को यह सूचित किया कि मतगणना के लिए मतपत्रों को मिलाने की पद्धति असम राज्य में निर्वाचकों की सुरक्षा के हित में अपनायी जाए और उक्त नियम 59क को संशोधन करने का सुझाव दिया।

और, निर्वाचन आयोग ने 14-6-1991 को सरकार को यह सूचित किया कि केवल असम राज्य के बारे में विचार करना उपयुक्त नहीं है

क्योंकि कुछ अन्य राज्यों में भी निर्वाचक इसी प्रकार की सुरक्षा चाहते हैं;

और, सरकार ने तारीख 14-6-1991 में निर्वाचनों का संवापन (संशोधन) नियम, 1991 द्वारा उक्त नियम 59क को स्थगित ही संशोधित कर दिया;

और, सरकार ने अपने तारीख 15 जून, 1991 के पत्र द्वारा यह सूचित किया कि असम में आतंकवादी सक्रिय नष्ट हैं जिसमें असम के सभी वर्गों के लोगों के बीच डर फैला रखा है, कि हत्या सहित घृणित अपराध जिसके बारे में पुलिस को भी सूचित नहीं किया गया था, कि राज्य में 27 नवम्बर, 1990 को राष्ट्रीय शासन लागू करता पड़ा था, कि सम्पूर्ण राज्य को सशस्त्र बल (विशेष शक्तियाँ) अधिनियम, 1958 के अधीन "गड़बड़ी वाला क्षेत्र" घोषित करना पड़ा था, बहुत ज्यादा अपराधों को देखते हुए आतंकवादी और विभाजित क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के उपबन्धों को लागू करना पड़ा था और यह कि यदि मतों की गणना मतदान केंद्र वार में होती है तो विभिन्न राजनैतिक दलों के निष्पक्ष मतदान केंद्र के अन्तर्गत आने वाले निर्वाचकों के बीच समर्थन का प्रकार और परिणाम का पता लगाना सहज होगा और गणना के बाद मतदाताओं के उत्पीड़न की बहुत अधिक संभावना होगी;

और, निर्वाचन आयोग ने इस मामले में ध्यानपूर्वक विचार किया है और यह निर्णय किया है कि सरकार का राय में ध्यान में रखते हुए और असम राज्य में निर्वाचकों की सुरक्षा के हित में उक्त नियम 59क के उपबन्ध को मई जून, 1991 में हुए लोक सभा और राज्य विधान सभा के साधारण निर्वाचनों में असम राज्य के सभी संसदीय और विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतों की गणना के संबंध में लागू किया जाए।

अतः, अब, निर्वाचन आयोग यह विनिर्दिष्ट करता है—

- (क) असम राज्य के सभी 14 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों; और
- (ख) असम राज्य के सभी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र (20-कोकराझार पश्चिम जहाँ निर्वाचन का परिणाम विविरोध होने का कारण पहले ही घोषित किया जा चुका है और 5 बरपुर जहाँ एक अभ्यर्थी की मृत्यु हो जाने के कारण निर्वाचन को प्रत्याखिण्ट कर दिया है, को छोड़ कर)।

ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों के रूप में हैं जिनमें साधारण निर्वाचनों के समय गणना जो अब प्रगति पर है, के प्रयोजन के लिए निर्वाचनों का संवापन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध लागू होंगे।

[काफल संख्या 3/4/91]

आदेश से,
सुरेन्द्र मीररत्ना, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA NOTIFICATION

New Delhi, the 15th June, 1991

O.N. 159(E).—Whereas, Rules 55, 56 and 57 of the Conduct of Elections Rules, 1961 provide that counting of votes shall be done polling stationwise;

And, whereas, Rule 59A of the said Rules, before its amendment as made by the Conduct of elections (Amendment) Rules, 1991 with effect from 14th June, 1991, provided that the counting of votes shall be

done by mixing ballot papers of the entire constituency, in such constituencies as may be specified by the Election Commission in the State of Punjab and in the Ganganagar district of Rajasthan;

And, whereas, the Commission recommended to the Government on the 24th April, 1991 that the said Rule 59A may be amended so as to give powers to the Commission to adopt the aforesaid system of mixing ballot papers for counting in any constituency in any State or Union Territory where the Commission was satisfied that the present system of counting of votes polling stationwise might result in pre-election intimidation or post-election victimisation of electors;

And, whereas, the Government by its letter dated 9th May, 1991 intimated that the political parties should be consulted before making any amendment in the said Rule after the commencement of the process of general elections to the House of the People and certain State Legislative Assemblies from 19-4-1991;

And, whereas, the Election Commission consulted all recognised National parties at a meeting held on 15-5-1991 and the overwhelming view expressed by them that no such amendment should be made in the said Rule at the present juncture;

And, whereas, the Government intimated the Commission as late as on 13-6-1991 that the system of mixing of ballot papers for counting may be adopted in the State of Assam in the interest of security of electors and suggested an amendment to the said rule 59A;

And, whereas, the Commission intimated to the Government on the 14-6-1991 that it did not consider it appropriate to single out the State of Assam as electors in some other States also needed similar security;

And, whereas, the Government has on its own amended the said Rule 59A by the Conduct of Elections (Amendment) Rules, 1991 with effect from 14-6-1991 so as to make its provisions applicable to the State of Assam;

And, whereas, the Government by its letter dated 15th June, 1991 has stated that the State of Assam has been under the terrorist activities which have created very wide spread fear among all sections of the population in Assam, that many heinous offences, including those of murder, were not even reported to the police, that the President's Rule had to be imposed in the State on 27th November, 1990, that the entire State had to be declared as 'disturbed area' under the Armed Forces (Special Powers) Act, 1958, that the provisions of the Terrorist and Disruptive Activities

(Prevention) Act had to be invoked in a large number of offences and that if the counting of votes is done polling boothwise, the nature and extent of support among the electors covered by the polling booth for different political parties would be easy to detect and there would be a high probability of post-counting victimisation of the voters;

And, whereas, the Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of Government's views and in the interest of the security of electors in the State of Assam the provisions of the said Rule 59A may be made applicable. In relation to the counting of votes in all Parliamentary and Assembly Constituencies in the State of Assam at the general elections to the House of the People and the State Legislative Assembly held in May/June, 1991.

Now, therefore, the Commission hereby specifies—

- (a) all the 14 Parliamentary Constituencies in the State of Assam; and
- (b) all the Assembly Constituencies (except 29-Kokrajhar West where the result of election being uncounted has already been announced and 5-Badarpur where the election has been countermanded due to the death of a candidate) in the State of Assam;

as the constituencies to which the provisions of Rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 shall apply for the purposes of counting at the general elections now in progress.

[F. No. 3/4/91]

By Order,

S. K. MENDIRATTA, Secy.

